भारत सरकार

योजना मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2690

दिनांक 24.03.2025 को उत्तर देने के लिए

ग्रोथ हब पहल

2690. **श्री येरंम वेंकट सुब्बा रेड्डी**:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित ग्रोथ हब पहल के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या यह सच है कि ग्रोथ हब पहल को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने विशाखापत्तनम को एक पायलट स्थल के रूप में चिह्नित किया है तथा इसे आर्थिक क्षेत्र के केन्द्र के रूप में स्थापित किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) विशाखापत्तनम के लिए तैयार की गई विशिष्ट आर्थिक योजनाओं का ब्यौरा क्या है तथा उनके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है; और

(ङ) विशाखापत्तनम पायलट स्थल के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग) नीति आयोग ने 2023 में शहरों के विकास के लिए विकास के इंजन के रूप में ग्रोथ हब पहल की परिकल्पना की थी। इसका दृष्टिकोण शहरी सीमाओं से परे जाने वाले शहरी क्षेत्रों की पहचान करना और तीन प्रमुख घटकों (i) आर्थिक और निवेश योजना; (ii) जीवन की गुणवत्ता; तथा (iii) समावेशिता और संधारणीयता योजना के आधार

पर एक आर्थिक योजना विकसित करना था। प्रक्रिया टेम्पलेट विकसित करने के लिए चार पायलट स्थानों का चयन किया गया, अर्थात मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), वाराणसी, सूरत और विशाखापत्तनम जिन्हें आर्थिक क्षेत्र के केंद्रों के रूप में निर्धारित किया गया था। प्रत्येक आर्थिक क्षेत्र में, 5-चरण प्रक्रिया अर्थात (i) जैसा है निदान (As-is-diagnostic), (ii) एसडब्ल्यूओटी, बंदोबस्ती और क्षमता विश्लेषण, (iii) आर्थिक दूरदर्शिता, (iv) महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि के घटकों का चयन (V) कार्यान्वयन फ्रेमवर्क के आधार पर विशिष्ट आर्थिक मास्टर प्लान विकसित किए गए हैं। यह परियोजना रिपोर्ट महत्वपूर्ण परियोजनाओं और नीति-निर्धारकों के माध्यम से विशिष्ट अन्तःक्षेप प्रस्तुत करती है।

(घ) से (ङ) मुम्बई और सूरत के लिए आर्थिक योजनाएं सितम्बर, 2024 में शुरू की गई थी। वाराणसी और विशाखापत्तनम के लिए आर्थिक योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

*****